

प्रात्यक्षिक मूल्यांकन प्रपत्र

(प्रत्येक कदम के लिए 1 से 5 के पैमाने पर अंक (अधिकतम अंक 5)

जन्मतेही दम घुटने के उपचार में शुरूआती कदम (हर कदम के लिए 5 अंक X 6 कदम = 30 अंक)

आशा का नाम				
1. झिल्लि फटने पर पानी का रंग कैसा था यह देखें या माँ से पूछें।				
2. यदि पानी गाढ़ा पीला या हरा हो तो जैसे ही शिशु का सिर दिखने लगे (पूरा शिशु बाहर आने से पहले) वैसेही पट्टी वाले कपड़े से शिशु का मुँह अंदर से साफ करें।				
3. शिशु पैदा होते ही जन्म का समय नोट करें और समय की गिनती आरंभ करें।				
4. जन्मतेही शिशु रोता नहीं, साँस नहीं लेता, धीमे साँस लेता है या हॉफता है – जन्मतेही दम घुटने के बारे में निर्णय करें।				
5. शिशु को पोंछें				
6. शिशु को कपड़े से ढँके।				

चूषण पम्प का प्रयोग: जाँच-सूची (हर कदम के लिए 5 अंक X 7 कदम = 35 अंक)

आशा का नाम				
1. शिशु को सही स्थिति में रखें, पोंछें, कपड़े में लपेटे और तौलिया तह करके कंधों के नीचे रख दें। शिशु का सिर थोड़ा पीछे और गर्दन तनी हुई।				
2. विसंक्रमित किये हुये उपकरण को खोल से बाहर निकालें।				
3. एक मुँह वाली नली का अगला हिस्सा अपने मुँह में रखे। दूसरी नली को उसके खुले भाग से। हाथ छोड़कर दूसरे हाथ से पकड़े।				
4. दूसरी नली का खुला भाग आधा अंगुल शिशु के मुँह में डालें और मुँह के स्रावों को निकालने के लिए कुछ देर तक मुँह के अंदर धुमाते हुए चूषण करें। यदि शिशु रोने लगे और ठीक से साँस लेने लगे तो रुक जाएँ। यदि अभी भी न रोए /साँस न ले, तो अगला कदम उठाएँ।				
5. लगभग एक अंगुल नली को शिशु के गले में डालें और धीरे से गले के स्रावों का चूषण करें। यदि शिशु रोने/साँस लेने लगे, तो, रुक जाएँ अन्यथा अगला कदम उठाएँ।				
6. शिशु के गले और मुँह से नली निकाल लें, उसका खुला सिरा उसके एक नासिका छिद्र में डालें और धीरे से चूषण करें। इसी तरह दूसरी तरफ की नासिका छिद्र से निकालें।				
7. जब सारा स्राव निकाल चुकें तो इस उपकरण को फेंक दें। (इसे दुबारा प्रयोग नहीं करना चाहिए)				